2022

HINDI

Paper : HIN–HE–6016

(छायावादी काव्यधारा)

(Honours Elective)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'छायावाद' के नामकरण का श्रेय किसे दिया जाता है?

(ख) छायावाद को किसने 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' कहा था?

(ग) जयशंकर प्रसाद की सर्वश्रेष्ठ काव्य-कृति का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) कविवर प्रसाद ने 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' गीत अपने किस नाटक में सन्निविष्ट किया था?

(ङ) प्रसाद जी का देहावसान कब हुआ?

(च) कविवर निराला द्वारा रचित किन्हीं दो काव्य-कृतियों के नाम बताइए।

(Turn Over)

(छ) 'जूही की कली' शीर्षक कविता का पहला प्रकाशन कब हुआ था?

(ज) "वह हँसी बहुत कुछ कहती थी।" यह पंक्ति पठित किस कविता से उद्धृत की गयी है?

(झ) कवि ने 'स्नेह निर्झर' बह जाने के बाद के शरीर की तुलना किससे की है?

(ञ) सुमित्रानंदन पंत को किस काव्य-कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?

(ट) 'द्रुत झरो' कविता में कवि ने किसके झरने की बात की है?

(ठ) 'भारतमाता ग्रामवासिनी' —ऐसा किस कवि ने कहा था?

(ड) महादेवी वर्मा को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

(ढ) "दूत सांझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!" यहाँ किसे 'साँझ का दूत' कहा गया है?

(ण) "चुभते ही तेरा अरुण बान!" अरुण बान के चुभते ही क्या होता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) जयशंकर प्रसाद द्वारा छायावाद के संबंध में दी गयी परिभाषा लिखिए।

(ख) कौन-से कवि 'छायावाद के चार स्तंभ' की आख्या से अभिहित हैं?

(ग) ऐसे दो प्रमुख छायावादी कवियों का नामोल्लेख कीजिए, जो बाद में प्रगतिवाद के अंतर्गत भी आते हैं।

(घ) "धीरे से वह उठता पुकार,
मुझको न मिला रे कभी प्यार।"

उक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं और किस कविता से उद्धृत हैं?

(ङ) "अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा"—कवि ने ऐसा कहकर किसकी ओर संकेत किया है?

(च) 'जूही की कली' शीर्षक कविता में नायक और नायिका के रूप में किनको चित्रित किया गया है?

(छ) "तुम खोल सको मानव उर के निःशब्द द्वार,
वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार।"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय बताइए।

(ज) कवयित्री महादेवी वर्मा ने जीवन को कैसा बनने का सुझाव दिया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) छायावादी काव्यधारा के सीमांकन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ख) जयशंकर प्रसाद की कविताओं की किन्हीं दो कलापक्षीय विशेषताओं पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

(ग) 'हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो' शीर्षक कविता का भावार्थ प्रस्तुत कीजिए।

(घ) 'संध्या सुन्दरी' शीर्षक कविता में कवि ने संध्या का रूप-वर्णन किस प्रकार किया है?

(ङ) 'बाँधो न नाव' शीर्षक कविता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(च) "दिये हैं मैंने जगत को फूल-फल,
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल,
पर अनश्वर या सकल पल्लवित पल—
ठाट जीवन का वही,"

प्रस्तुत पंक्तियों का सप्रसंग आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'भारतमाता' शीर्षक कविता के आधार पर भारतमाता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ज) 'मन्दिर का दीप' शीर्षक कविता की विषय-वस्तु को रेखांकित कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) छायावादी काव्यधारा के उद्भव एवं विकास पर आलोकपात कीजिए।

(ख) "ले चल वहाँ भुलावा देकर,
मेरे नाविक! धीरे-धीरे!
जिस निर्जन में सागर लहरी
अम्बर के कानों में गहरी—
निश्छल प्रेम-कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे।"

सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(ग) छायावादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

(घ) हिन्दी काव्य जगत को जयशंकर प्रसाद की देन पर अपना विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'मौन निमंत्रण' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(च) निर्दय उस नायक ने
निपट निठुराई की,
कि झोंकों की झड़ियों से
सुन्दर सुकुमार देह सारी झकझोर डाली,
मसल दिये गोरे कपोल गोल;

सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(छ) छायावादी काव्यधारा में महाप्राण 'निराला' का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ज) 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसन्त रजनी' शीर्षक कविता के आधार पर वसन्त रजनी का सौन्दर्य-वर्णन कीजिए।

(झ) पंत काव्य की भावपक्षीय विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ञ) कवयित्री महादेवी वर्मा के प्रमुख काव्य-स्वरों को रेखांकित कीजिए।

★★★